OM - 1 - 2020 DELHI FINAL_Page 1 and 2 06/03/2020 6:20 PM Page 1

ओमशान्ति मीडिया

21st ANNIVERSARY OM SHANTI MEDIA

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -21 अंक -1 अप्रैल -I-2020 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

महाशिवरात्रि पर लाल किले में लहराया शिव ध्वज

महाशिवरात्रि पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ शिवध्वज फहराते हुए ब्रह्माकुमारी संस्थान के वरिष्ठ भाई बहनें।

दिल्ली। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा लालकिला के मैदान में आयोजित आध्यात्मिक महोत्सव का एक विशाल सार्वजनिक कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया गया। तीस हज़ार शिव श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम से लाभ लिया।

कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विश्व शांति, वसुधैव कुटुम्बकम एवं विश्व बंधुत्व की भावना, मानवता को भारतीय दर्शन एवं संस्कृति की ही देन है, जो शिव और शिव की शक्तियों से जुड़ने से ही साकार हो सकता है। उन्होंने कहा कि शिवरात्रि का पावन पर्व हमें सच्चाई और अच्छाई को अपनाकर असत्य, बुराई एवं नकारात्मक तत्वों पर जीत पाने की प्रेरणा देता है। परमात्मा शिव से जुड़े इन्हीं भारतीय मूल्यों, आदर्श, आध्यात्मिकता एवं राजयोग मेडिटेशन को विश्व के कोने-कोने में सभी जाति, धर्म, वर्ग एवं सम्प्रदाय में फैलाने वाली ब्रह्माकुमारी संस्था की उन्होंने सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि जीव से शिव परमात्मा तक की यात्रा योग से ही सम्भव है। जो शिव से जुड़ जाता है वो अखण्ड भारत से जुड़ जाता है। साथ ही उन्होंने कहा कि योग की दुनिया में ब्रह्माकुमारी बहनें भारत में एक मिसाल हैं। वह न केवल सच्ची योगी हैं बल्कि पूरी दुनिया में शांति व एकता की अलख जगा रही हैं। जी.बी. पन्त हॉस्पिटल के डॉक्टर मोहित गुप्ता ने बुराई छोड़ने और सभी के प्रति शुभ भावना और शुभ कामन रखते हुए सबको सुख देने का संकल्प कराया। **समागम को शिव की शक्ति 108 ब्रह्माकुमारियों ने सामूहिक राजयोग कराया तथा विश्व शांति के लिए शक्तिशाली प्रकम्पन फैलाये।** ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने वर्तमान परिवेश में शिवरात्रि का महत्व बताते हुए कहा कि शिव हमें शक्ति देते हैं विकारों को समाप्त करने की। ओ.आर.सी. निदेशिका ब्र.कु.आशा दीदी ने कहा कि दुःख और कष्ट से मुक्ति का मार्ग केवल शिव से योग लगाना है। जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि निराकार शिव परमात्मा इस धरा पर आकर आत्मा के अंदर व्याप्त अंधकार रूपी रात्रि को खत्म करते हैं, जिससे मनुष्य जीवन और सृष्टि सतयुगी हो जाती है।

लाल किले पर...

- तीस हज़ार लोगों के साथ रक्षा मंत्री ने लहराया शिव ध्वज
- शिव से योग द्वारा विश्व में शांति की अलख जगा रहा संस्थान
- वसुधैव कुटुम्बकम की भावना शिव से जुड़कर ही हो सकती साकार
- सभी ने बुराइयों से मुक्त रहने का लिया संकल्प

शिव जयंती मनाने संस्थान में

90 देशों से पहुंचे लोग

माउण्ट आबू। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ज्ञानसरोवर अकादमी की निदेशिका राजयोगिनी डॉ. निर्मला ने कहा कि चेतना का सौंदर्य आध्यात्मिकता से निखरता है। अज्ञानता का तिमिर आत्मा के मूल्यों का सर्वनाश कर देता है। सर्व आत्माओं के पिता शिव परमात्मा से मन, बुद्धि की तार जोड़ने से अंतर-मन का अंधकार समाप्त हो जाता है। मन में सत्य ज्ञान की किरणों का प्रकाश जीवन को आलोकित कर देता है। डॉ. निर्मला ब्रह्माकुमारी संगठन के बेहतर विश्व निर्माण के लिए स्थापित ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में शिवरात्रि महोत्सव कार्यक्रम को सम्बोधित कर रही थीं। राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी बहन, न्यूयॉर्क ने कहा कि पापों को खत्म करने के लिए शिवरात्रि पर्व पर मनुष्य को स्वयं को कमी-कमज़ोरियों से मुक्त करने की दृढ़ प्रतिज्ञा करनी चाहिए। युरोप सेवाकेंद्रों की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती बहन ने कहा कि पाश्चात्य जगत में भी भारतीय संस्कृति के प्राचीन राजयोग को अपनाने की परिपाटी को बल मिला है। मीडिया प्रभाग प्रमुख ब्र.कु. करूणा ने कहा कि दिनों-दिन बढ़ती तनावजन्य परिस्थितियों में स्वयं को सशक्त बनाने की ज़रूरत है। राजयोग एकमात्र ऐसा माध्यम है जिसका नियमित अभ्यास कैसी भी विकटतम परिस्थिति में चित्त की वृत्तियों को शांत रखने में मदद करता है। खेल प्रभाग की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा ब्र.कु. शशिप्रभा बहन ने कहा कि राजयोग के ज़रिए सर्वशक्तिमान परमात्मा शिव से प्राप्त शक्तियों से ही मन की दुर्बलता समाप्त होगी। मन में समर्थ संकल्पों का भण्डार जमा होगा। इस अवसर पर ब्र.कु. मीरा बहन,मलेशिया, जापान सेवाकेंद्रों की संचालिका ब्र.कु. रजनी बहन, ब्र.कु. सुधा बहन,रशिया, डॉ. हेमलता बहन,त्रिनिदाद, ब्र.कु. भावना बहन,न्यूज़ीलैंड, ब्र.कु. गोपी बहन,लंदन, ब्र.कु. गायत्री बहन,न्यूयॉर्क, टी.वी. एंड फिल्म अभिनेता अमित धवन, ब्र.कु. मृत्युंजय, डॉ. प्रताप मिड्ढा, ब्र.कु. शीलू बहन, डॉ. सविता, ब्र.कु. वर्षा, ब्र.कु. भरत, ब्र.कु. बसंत आदि उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि व आध्यात्मिक संग्रहालय की स्वर्ण जयंती

ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि पाँच विकारों की जंजीरों में बंधी आत्मा को स्वतंत्रता दिलाने के लिए ही परमपिता परमात्मा शिव निराकार का अवतरण होता है। वही कार्य स्वयं परमात्मा राजयोग के माध्यम से अब कर रहे हैं। आध्यात्मिक मूल्यों से सम्पन्न प्राचीन भारतीय संस्कृति को फिर से पुनर्स्थापित करने के कार्य में समाज के हर वर्ग को एकजुट होना होगा। उक्त विचार उन्होंने संगठन के आध्यात्मिक संग्रहालय की स्वर्ण जयंती व शिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। आध्यात्मिक संग्रहालय प्रभारी ब्र.कु. प्रतिभा बहन ने कहा कि भारत में अकल्पनीय धन-सम्पदा थी। विकारों में गिरने से ही मनुष्यों ने इस सम्पदा को गंवा दिया है। अब पुनः परमात्मा शिव अवतरित होकर आत्माओं को पावन बनाकर हर सम्पदा से भरपूर कर रहे हैं।